

Bhajan

01

अपने पथ पर आप चलाओ

अपने पथ पर आप चलाओ,
पथ पतन ना पाऊँ मैं ॥

पावन पथ है परम प्रभु तेरा,
उस से पैर हटे न मेरा ।
पर पंथों की पगडंडी पर,
स्वपनों में भी न जाऊँ मैं ॥ १ ॥

तेरे पथ का पथिक मैं प्राणी,
संशय वश न पाऊँ हानि ।
पग पग पर डग मग न डोलूँ,
प्रेम प्रबल उर लाऊँ मैं ॥ २ ॥

मेरो रोम रोम श्री राम पुकारे

श्री राम श्री राम . . .

मेरो रोम रोम श्री राम पुकारे,
रोम रोम श्री राम पुकारे,
राम मिलादो कोई . . .

राम बिना मैं हुई दिवानी,
निसदिन करूँ पुकार,
किधर बसत हो राम हमारे,
कहाँ है तेरो द्वार ॥

जन्म जन्म से ढूँढ रही हूँ,
तुझको प्राण आधार,
भेद जरा ना पाया तेरा,
मान गई अब हार,
बखशन हार, बखशन हार, अपार स्वामी,
मेहर करो दातार,
सूखी इस फुलवारी में,
फिर से आ जाये बहार ॥

जो मैं ऐसा जानती प्रीत किये दुख होय,
नगर ढिँढोरा पीटती प्रीत ना करियो कोय ॥
कागा रे चुन खाईयो चुन चुन खाईयो मांस,
दो नैना मत खाईयो मोहे राम मिलन की आस ॥

मांझी, कितनी दूर किनारा

मांझी मांझी, कितनी दूर किनारा,
अब कितनी दूर किनारा ॥

तेरे हवाले नाव हमारी,
तूही खेवन हार,
मांझी, कितनी दूर किनारा,
अब कितनी दूर किनारा ॥

भवसागर जल अगम अथाह है,
अपने बल से कौन तरा है,
ले चल ले चल पार किनारे,
तेरा ही एक सहारा ॥

तुझ से अपनी आस बन्धी है,
तुझ से अपनी डोर जुड़ी है,
ले चल ले चल पार किनारे,
तेरी दया का निस्तारा ॥

जन्म जन्म का तुझ से नाता,
तूही मेरा भाग्य विधाता,
तूही खेवैया सब भक्तन का,
तूही खेवैया सब संतन का,
तूही तारन हारा ॥

मम मन मोती मिट गया,
टूट चूर हो चूर,
तेरा भरोसा है अब,
मुझे ना करना दूर,
अब तेरा ही एक सहारा ॥

महाराज कृपालु बड़े

महाराज कृपालु बड़े,
गुरुदेव दयालु बड़े,
वो आप ही काम बना देंगे,
महाराज कृपालु बड़े ॥

टूटी फूटी नैया हमरी,
खुद खे कर पार लगा देंगे,
महाराज कृपालु बड़े,
गुरुदेव दयालु बड़े ॥

हम आये कहाँ के ऐसे धनी,
जो उन बिन काम चलायेंगे,
हाँ, मेरे समर्थ बाबा ऐसे,
जो बिगड़ी बात बनायेंगे,
महाराज कृपालु बड़े,
गुरुदेव दयालु बड़े ॥

बसे रहो श्री राम

बसे रहो श्री राम,
मन में नैन मून्द सुख पाऊँ,
बसे रहो श्री राम ॥

न मन्दिर न तीरथ जाऊँ,
घट में दर्शन पाऊँ तेरो,
घट में दर्शन पाऊँ ॥
बसे रहो श्री राम . . .

जप तप योग जतन नहीं जानूँ,
तेरो ही ध्यान लगाऊँ,
मन में तेरो ही ध्यान लगाऊँ ॥
बसे रहो श्री राम . . .

तोड़ के जग के झूठे बन्धन,
तुमसों प्रीत लगाऊँ, मन में,
तुमसों प्रीत लगाऊँ ॥
बसे रहो श्री राम . . .

मेरे मन में तू बसे,
मेरे मोहन राम,
तेरे मधुर मिलाप से,
मिले मुझे विश्राम ॥
बसे रहो श्री राम . . .

दर्शन दीजो आय प्यारे

दर्शन दीजो आय प्यारे,
तुम बिन रह्यो न जाय ॥

जल बिन कमल, चन्द्र बिन रजनी,
ऐसे तुम देख्याँ बिन सजनी,
आकुल व्याकुल रहूँ रैन दिन,
बिरहा कलेजो खाय,
बिरहा कलेजो खाय प्यारे ॥
तुम बिन रह्यो न जाय . . .

दिवस न भूख नींद नहीं रैना,
मुखसो कहत न आवत बैना,
कहा करूँ कछु बस नहीं मेरे,
मिल कर तप्त बुझा,
मिल कर तप्त बुझा मेरे प्यारे ॥
तुम बिन रह्यो न जाय . . .

क्यों तरसावो अंतर्यामी,
आनमिलो कृपा कर स्वामी,
मीरा दासी जनम जनम की,
पड़ी तिहारे पाँव,
पड़ी तिहारे पाँव प्यारे ॥
तुम बिन रह्यो न जाय . . .

मेरे राम राय

मेरे राम राय
तू संतां दा संत तेरे ॥

तेरे सेवक को भौ कछु नाहीं,
यम नहीं आवे नेड़े ॥
मेरे राम राय . . .

जो तेरे रंग राते स्वामी,
तिन का जनम मरण दुख नासा
तेरी बक्श न मेटे कोई,
सतगुरु का दिलासा ॥
मेरे राम राय . . .

जिस के सिर ऊपर तू स्वामी,
सो दुख कैसा पावे,
बोल न जाने माया मद माता,
मरना चित्त न आवे ॥
मेरे राम राय . . .